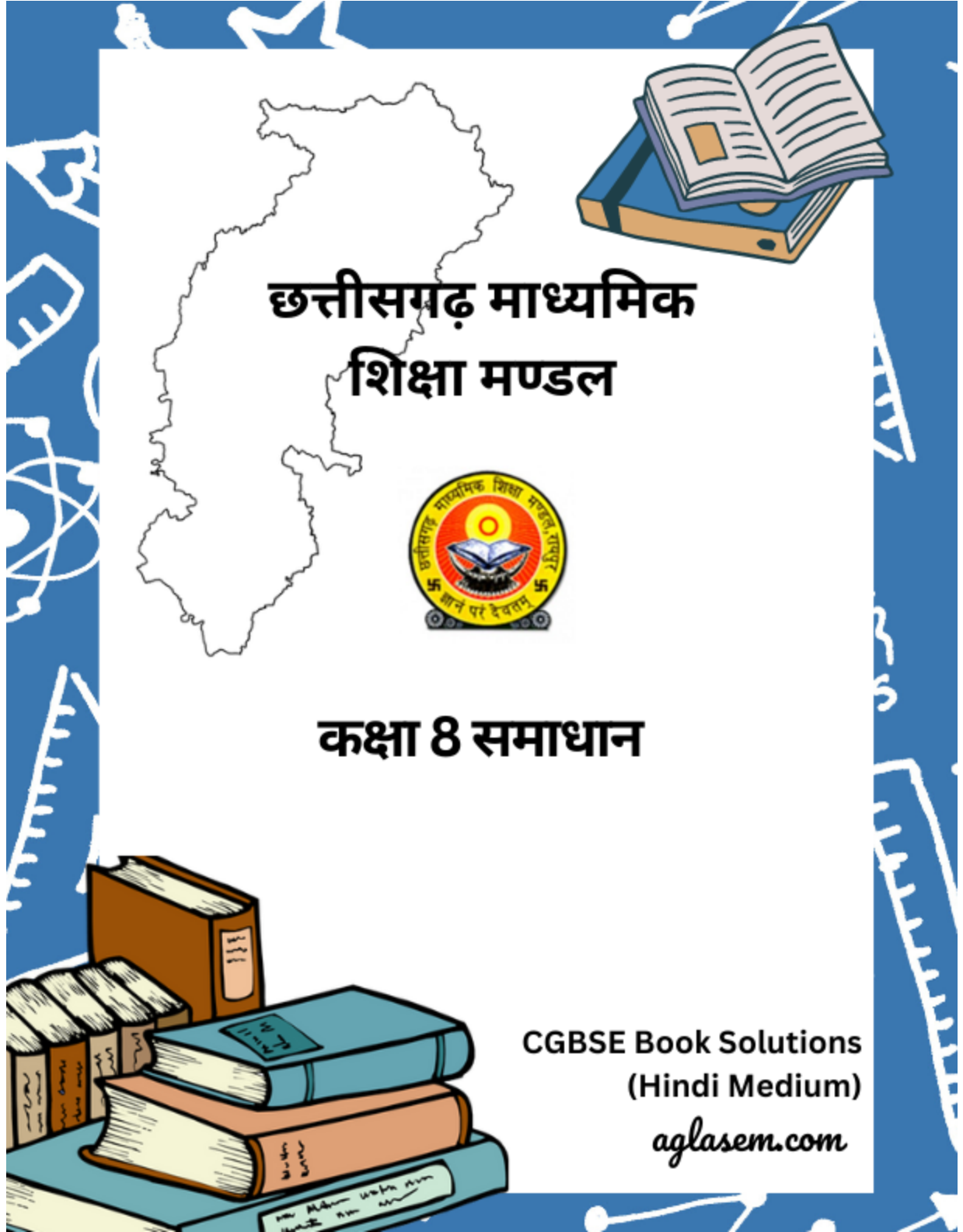


CG Board Class 8 Sahayak Vachan Solutions



CG Board Class 8 Sahayak Vachan Solutions

Chapter 8 (आठवीं झलक) गाँधी जी की तीसरी अफ्रीका यात्रा

Page No.34

अभ्यास:

प्रश्न 1 - गाँधी जी को तीसरी बार अफ्रीका क्यों बुलाया गया ?

उत्तर :- गाँधी जी को तीसरी बार दक्षिण अफ्रीका इसलिए बुलाया गया की वह भारतीय समाज के हितों की रक्षा कर सके। चूँकि गाँधी वकालत और राजनीति के अच्छे ज्ञाता थे इसलिए उन्हें ज्ञात था कि अंग्रेजों के किस अत्याचार का विरोध किस तरह से किया जा सकता था। और इसके पूर्व में दक्षिण अफ्रीका के भारतीयों ने गाँधी जी के नेतृत्व करने और अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता को देख चुके थे इसलिए उन्होंने तीसरी बार गाँधी जी को वहाँ बुलाया था।

प्रश्न 2 -इंडियन ओपिनियन नामक पत्र में गाँधी जी किन- किन समस्याओं पर प्रकाश डालते थे ?

उत्तर :- गाँधी जी जब दोबारा द. अफ्रीका गए तो वहाँ के गोरे लोगों ने उनके आने का विरोध किया और “गंदा गाँधी वापस जा “जैसे नारे लगाए। गाँधी जी को एक माह तक जहाज से भी उतरने नहीं दिया गया क्योंकि उन्हें भय था कि गाँधी उनकी अत्याचार पूर्ण नीतियों और व्यवहार का विरोध करेंगे। गोरे लोग गाँधी जी को अपना शत्रु समझते थे। इसलिए उसका विरोध किया।

प्रश्न 3 -गाँधी जी ने सत्याग्रह की क्या व्याख्या की ?

उत्तर :-11 सितम्बर 1906 की सार्वजनिक सभा में भाषण देते हुए गाँधी जी ने सत्याग्रह सिद्धांत की एक ही वाक्य में व्याख्या कर दिया कि “बुरे कानून के सामने न झुकना ही सत्याग्रह है “।

प्रश्न 4 -गाँधी जी ने फीनिक्स आश्रम की स्थापना क्यों की ?

उत्तर:- गाँधी जी के मित्र पोलक ने उन्हें रस्किन की “अनटू दि लास्ट” नामक पुस्तक दिया। जिसे गाँधी जी ने पढ़ा उस पुस्तक में शरीर अंग और हाथ से काम करने का गौरव प्रतिपादित किया था जिसने गाँधी जी के मन -मस्तिष्क में गहरा प्रभाव डाला। और इसी पुस्तक से प्रेरित होकर उन्होंने फीनिक्स आश्रम की स्थापना की। जिसका मूल उद्देश्य

स्वयं को आत्मनिर्भर बनाना था जिससे व्यक्ति की किसी भौतिक संसाधन पर निर्भरता को समाप्त किया जा सके।

प्रश्न 5 - सन् 1906 में प्रकाशित ट्रांसवाल सरकार के अध्यादेश का विरोध गांधी जी ने क्यों किया ?

उत्तर :- सन् 1906 अगस्त में ट्रांसवाल सरकार ने एक नया अध्यादेश जारी किया जिसमें कहा गया था कि सभी भारतीयों को सरकारी दफ्तर में जा कर एशियाई रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराना होगा ऐसा न करने पर उसे अपराधी माना जायेगा और उसे जुर्माना या जेल या देश से निकाले जाने की सजा का प्रावधान था। गाँधी जी इसे पढ़ते ही गौरे सरकार की मंशा समझ गए कि वह भारतीयों को अपमानित करने तथा देश से निकालने का षड्यंत्र था। इस कारण गांधी जी ने एक सभा बुलवाई और इस अध्यादेश का विरोध करने का फैसला लिया गया।

प्रश्न 6 - रक्षा मंत्री जनरल स्मट्स समझौते का मार्ग क्यों अपनाया ?

उत्तर :- ट्रांसवाल सरकार ने जब देखा कि भारतीय शांतिपूर्वक लगातार जेलों में भर रहे हैं तब उसके रक्षामंत्री जनरल स्मट्स ने समझौते का मार्ग अपनाया। और उसने गांधी जी को जेल से बुलाया और समझौता करके आंदोलन को समाप्त करने को कहा गया।

प्रश्न 7 - गाँधी जी के किन गुण के कारण जनरल स्मट्स उनके प्रति आदर भाव रखने लगा ?

उत्तर :- गांधी जी और उनके सत्याग्रह की यह विशेषता थी कि उनके विपक्षी के प्रति घृणा और शत्रुता की भावना नहीं होती थी। जनरल स्मट्स जिसने सत्याग्रह आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गांधी जी उसके प्रति भी आदर का भाव रखते थे। यही कारण था कि जनरल स्मट्स उनके प्रति आदर का भाव रखता था।

प्रश्न 8 - निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

(क) टाल्सटाय - आश्रम

उत्तर:- गांधी जी ने जेल यात्रियों और उनके परिवार को एक साथ रहने के लिए एक आश्रम की स्थापना किया जिसे टाल्सटाय आश्रम कहते थे। इसके लिए उनके एक मित्र ने उन्हें एक हजार एकड़ जमीन मुक्त में दिया। इसमें गांधी जी ने लोगों का जीवन स्वस्थ और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया। इस आश्रम में पाठशाला, बढ़ईखाना, मोचीबाना, धोलीघाट जैसे सुविधाएं थी। यहां पुरुषों तथा महिलाओं के रहने के लिए अलग अलग व्यवस्था थी। यह आश्रम शहर से दूर या जहाँ शुद्ध हवा, जल मिलती थी। यह आश्रम जोहेस वर्ग से कुछ दूर स्थित था जहाँ आने जाने पर पैदल लगभग साठ-पैंसठ किलोमीटर की यात्रा हो जाती थी। यहाँ आश्रम में कृषि कार्य भी किया जाता था जिससे आश्रम वासियों

को शुद्ध भोजन भी मिलता था इससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। गांधी जी यहाँ पर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से बीमार लोगों का इलाज भी करते थे। इस आश्रम में सभी प्राकृतिक सुविधाएं उपलब्ध थी।

(ख) मीर आलम

उत्तर - मीर आलम गांधी जी के सत्याग्रह आंदोलन का एक सहयोगी था। वह मानता था कि समझौता करने से हमारी विजय नहीं अपितु पराजय हुई है। उसका कहना था कि नाम दर्ज कराने की शर्त तो अभी भी बनी हुयी है तो इसमें हमारी विजय कैसी ? परन्तु गाँधी जी ने उसे समझाया कि अब नाम दर्ज करना हमारी मज़बूरी नहीं बल्कि स्वम् की इच्छा पर निर्भर है। किन्तु वह नहीं माना।

जब गाँधी जी अपना नाम दर्ज कराने जा रहे थे तो उसने गाँधी जी पर हमला कर दिया उन्हें मार कर बुरी तरह घायल कर दिया और उनके दांत तोड़ दिए। जिसके कारण पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। परन्तु जब गाँधी जी को होश आया तब उन्होंने उसे पुलिस से छुड़वाने के लिए उन्होंने पुलिस अधिकारी को पत्र भी लिखा था। पर मीर आलम को पुलिस ने नहीं छोड़ा और उसे सजा हुई।